



प्रेस विज्ञप्ति

आईआईटी भुवनेश्वर ने "स्मार्ट ग्रिड के लिए लचीले डीईआर, माइक्रोग्रिड और इलेक्ट्रिक वाहन प्रौद्योगिकियों में प्रगति" पर कार्यशाला आयोजित की

भुवनेश्वर, 24 फरवरी 2026: प्रतिष्ठित अकादमिक और अनुसंधान सहयोग संवर्धन योजना (एसपीएआरसी) पहल के तहत 19 से 21 फरवरी 2026 तक "स्मार्ट ग्रिड के लिए लचीले डीईआर, माइक्रोग्रिड और इलेक्ट्रिक वाहन प्रौद्योगिकियों में प्रगति" पर तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला सफलतापूर्वक आयोजित की गई। कार्यक्रम ने शिक्षा जगत, अनुसंधान संस्थानों और उद्योग के बीच ज्ञान के आदान-प्रदान और सहयोगात्मक जुड़ाव के लिए एक गतिशील मंच के रूप में कार्य किया।

कार्यशाला में विभिन्न संस्थानों के अनुसंधान विद्वानों, शिक्षाविदों और उद्योग के पेशेवरों की उत्साहपूर्ण भागीदारी देखी गई, जो स्मार्ट ग्रिड प्रौद्योगिकियों और टिकाऊ ऊर्जा प्रणालियों में बढ़ती रुचि और तेजी से प्रगति को दर्शाता है।

इस कार्यक्रम में विश्व स्तर पर प्रतिष्ठित संस्थानों और संगठनों के प्रतिष्ठित वक्ताओं का एक प्रतिष्ठित पैनल शामिल था, जिसमें प्रोफेसर संजीव कुमार पांडा, नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ सिंगापुर; प्रोफेसर अभिषेक उकिल, ऑकलैंड विश्वविद्यालय; प्रोफेसर कौशिक बसु, भारतीय विज्ञान संस्थान बंगलुरु; प्रोफेसर चंदन कुमार, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गुवाहाटी; प्रोफेसर वेंकट राघवेंद्र इत्ते, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान तिरुचिरापल्ली; डॉ. बाला नागा लिंगैया एंडे, एवीएल इंडिया; प्रो. ए.के. त्रिपाठी, पूर्व सीपीआरआई महानिदेशक; डॉ. दीपक रोनांकी, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मद्रास; डॉ. दीपक पुल्लगुराम, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान खड़गपुर।

विशेषज्ञ व्याख्यान और तकनीकी सत्रों में स्मार्ट ग्रिड आर्किटेक्चर और नियंत्रण में उभरते रुझानों, व्यावहारिक चुनौतियों और अभिनव समाधानों को व्यापक रूप से शामिल किया गया; वितरित ऊर्जा संसाधन (डीईआर) एकीकरण; लचीला और स्वायत्त माइक्रोग्रिड; इलेक्ट्रिक वाहन प्रौद्योगिकियां और ग्रिड इंटरैक्शन; उन्नत पावर इलेक्ट्रॉनिक्स और ऊर्जा प्रबंधन प्रणालियाँ।

कार्यशाला ने जीवंत तकनीकी चर्चा, इंटरैक्टिव प्रश्नोत्तर सत्र और सहयोगात्मक विचार-मंथन की सुविधा प्रदान की, जिससे प्रतिभागियों को अगली पीढ़ी की ऊर्जा प्रणालियों में गहरी अंतर्दृष्टि प्राप्त करने में सक्षम बनाया गया। ग्रिड लचीलापन, नवीकरणीय एकीकरण, परिवहन के विद्युतीकरण और टिकाऊ बिजली प्रणाली डिजाइन पर विशेष जोर दिया गया था।

इस SPARC समर्थित कार्यशाला का सफल आयोजन अंतरराष्ट्रीय शैक्षणिक सहयोग को मजबूत करने और स्मार्ट ग्रिड और स्वच्छ ऊर्जा प्रौद्योगिकियों में अनुसंधान प्रगति में तेजी लाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। आयोजकों ने कार्यक्रम को बौद्धिक रूप से समृद्ध और प्रभावशाली बनाने के लिए प्रतिष्ठित वक्ताओं, प्रतिभागियों और सहयोगियों के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया।

कार्यशाला लचीली और टिकाऊ ऊर्जा प्रणालियों में निरंतर अनुसंधान साझेदारी और नवाचार-संचालित प्रगति के लिए एक मजबूत प्रतिबद्धता के साथ संपन्न हुई।
